स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2009-10

रेडियो लेखन में व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम
बी.आर.पी.ए-101/ए.डबल्यू.आर (एच)

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

रेडियो लेखन में व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्र कोडः बी.आर.पी.ए-101/ए.डबल्यू.आर (एच)

प्रिय विद्यार्थियो,

रेडियो लेखन से संबंधित व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम में आपको कुल एक सत्रीय कार्य करना है। यह शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किया गया है।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम व्यवहारमूलक है इसलिए सत्रीय कार्य में हमारा मुख्य जोर उस क्षेत्र में आपकी व्यावहारिक कुशलता की जाँच करना है अर्थात् पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान आपने जिस व्यावहारमूलक क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त किया है उसमें आपने कितनी कुशलता प्राप्त कर ली है। इस पाठ्यक्रम में आपको रेडियो लेखन का व्यावहारिक ज्ञान कराया गया है। सत्रीय कार्यों में हमने अधिकांश प्रश्न ऐसे दिए हैं, जिनसे रेडियो लेखन की आपकी कुशलता की जाँच हो सके। इससे आपको रेडियो लेखन में अपनी क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्य से आप अपनी त्रुटियों और कमजोरियों को पहचान सकेंगे ताकि आप उन्हें दूर कर सकें और सत्रांत परीक्षा में अधिक बेहतर परिणाम दे सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) व्यवहारमूलक पाठ्यक्रमों के लिए 'कार्यक्रम दर्शिका' में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए जिससे आप संबद्ध हैं।

4) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :..

नाम :...

पता :...

....

दिनांक :...

पाठ्यक्रम शीर्षक :..

सत्रीय कार्य कोड :..

अध्ययन केंद्र का नाम :...

---

5) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।

6) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

7) सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संचालक (coordinator) के पास अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2009 सत्र के लिए	:	31 मार्च 2010
जनवरी 2010 सत्र के लिए	:	30 सितंबर 2010

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्यों में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं - सैद्धांतिक और व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्न।

उत्तर देने के लिए अगर आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपको लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययनः** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यासः** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। व्यावहारिक लेखन से संबंधित प्रश्नों को करने के लिए इकाइयों को पढ़ने के साथ-साथ आप रोज आधे घंटे रेडियो अवश्य सुनें। इनसे आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए किः

   क) आपको उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो;

   ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति की पूर्णता के अनुकूल हो;

   घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो; और

   ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4. **विशेषः** अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ!

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 4 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बीडीपी/बी.आर.पी.ए/ए.डब्ल्यू.आर.(एच)
सत्रीय कार्य कोड : बी.आर.पी.ए/ए.डब्ल्यू.आर.(एच)/टी.एम.ए/2009-10
कुल अंक : 100

क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : **10×8=80**

1. श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो की विशेषताएँ बताइए।
2. रेडियो की विभिन्न विधाओं का परिचय दीजिए।
3. रेडियो के कार्यों की चर्चा कीजिए।
4. समाचार-पत्र में प्रकाशित समाचार और रेडियो में प्रसारित समाचार की तुलना कीजिए।
5. रेडियो रूपक की विशेषताएँ बताइए।
6. रेडियो में प्रसारित किन्हीं दो विज्ञापनों का उल्लेख करते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।
7. रेडियो में प्रसारित मनोरंजन संबंधी कार्यक्रमों का परिचय दीजिए।
8. शिक्षा के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

ख) अपनी पढ़ी हुई किसी कहानी का रेडियो नाट्य रूपांतरण तैयार कीजिए। **20**

SOH/IGNOU/P.O.1.5T/ 2009-10
Printed by : M/s Raj Printers, A-9, Sector B-2, Tronica City Industrial...